nt>

Title: Need to ensure remunerative prices to the farmers for their produce.

डॉ.लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : सभापति जी, भारतीय खाद्य निगम में करोड़ों रुपये की हानि हो रही है। भंडारण की उचित व्यवस्था के अभाव में हजारों क्विंटल गेहूं बाहर पड़ा है, सड़ रहा है और फेंकने योग्य हो गया है। देश के अधिकांश फ्लोर मिल मालिकों द्वारा अच्छे मूल्य पर गेहूं खरीदने के प्रस्ताव को निगम द्वारा ठुकरा दिया गया व विदेशों को कम मूल्य पर निर्यात का सौदा किया गया। इस प्रकार की कार्यवाहियों से जहां निगम को करोड़ों रुपये का घाटा हो रहा है वहीं किसानों को भी समर्थन मूल्य पर खरीदी से वंचित रहना पड़ा था।

मेरा मंत्री महोदय से अनुरोध है कि निगम के कार्यकरण को ठीक किया जाये जिससे किसान अपनी उपज का सही मूल्य लेकर लाभान्वित हो सकें और देश में गेहूं व अन्य खाद्यान्नों की आपूर्ति सुलभ बनी रहे।

1525 बजे (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव पीठासीन हुए)